

स्वदेशी लोगों के लिए रूपरेखा

प्रकाशन की तिथि: 25-नवंबर-24

संस्करण 1.5

प्रॉस्पेरेटी ग्रोथ फंड (मॉरीशस) के बोर्ड द्वारा अनुमोदित और लागू

समृद्ध स्वदेशी लोगों (आईपी) प्रबंधन ढांचा

स्वदेशी लोगों (आईपी) प्रबंधन ढांचे के लिए तर्क

प्रॉस्पेरेटे बौद्धिक संपदा अधिकारों का सम्मान करने तथा प्रॉस्पेरेटे द्वारा किए जाने वाले संभावित निवेशों के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के महत्व को समझता है।

जबकि प्रॉस्पेरेटे के ईएसएमएस में श्रेणी ए परियोजनाओं में तथा श्रेणी बी और सी परियोजनाओं में भी निवेश पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध है, प्रॉस्पेरेटे के प्रौद्योगिकी फोकस को देखते हुए प्रॉस्पेरेटे के निवेश से आईपी पर प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, यह ढांचा, प्रॉस्पेरेटे द्वारा किए जाने वाले किसी निवेश में, यदि ऐसी आवश्यकता छोटे स्तर पर भी उत्पन्न होती है, तो मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तैयार किया जा रहा है।

ऐसे मामलों में, प्रॉस्पेरेटे को निवेशक से किसी भी संभावित प्रतिकूल प्रभाव को कम करने और कम करने के लिए उपाय करने की आवश्यकता होगी। मुआवज़ा केवल अंतिम उपाय के रूप में ही माना जाएगा।

यह समझा जाता है कि आईपी मौजूद हो सकते हैं या भूमि से उनका पारंपरिक लगाव हो सकता है। इस आईपीएफ की आवश्यकताओं को, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक निवेश में परियोजना क्षेत्र में आईपी की उपस्थिति के निर्धारण के लिए अपनाया जाएगा।

इस आईपीएफ को प्रॉस्पेरेटे ईएसएमएस के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है ताकि समर्थित परियोजनाओं की योजना, विकास और संचालन में आईपी की आवश्यकताओं के व्यवस्थित एकीकरण को सक्षम किया जा सके। यह आगे यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी संभावित नकारात्मक प्रभाव को ठीक से कम किया जाए, उन पर पर्याप्त और सार्थक परामर्श किया जाए, जिससे उन्हें परियोजना हस्तक्षेपों पर अपनी स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति (एफपीआईसी) देने की अनुमति मिले, और उन्हें परियोजना लाभों को साझा करने का समान अवसर मिले।

इस IMPF का उपयोग तब किया जाएगा जब E&S स्क्रीनिंग और उचित परिश्रम के आधार पर यह निर्धारित हो जाएगा कि परियोजना के प्रभाव क्षेत्र में एक या अधिक IP समुदाय मौजूद हैं। परियोजना कंपनी इस ढांचे द्वारा उल्लिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्यों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

आईपी फ्रेमवर्क (आईपीएफ) का दायरा

यह आईपीएफ विश्व बैंक ईएसएफ और जीसीएफ स्वदेशी लोगों की नीति के अनुसार पहचाने गए एक विशिष्ट सामाजिक और सांस्कृतिक समूह पर लागू होता है। प्रभावित आईपी की व्यापक प्रयोज्यता और संभावित भिन्न स्तर की भेद्यता को देखते हुए, प्रॉस्पेरेटे समर्थित निवेशकों को उचित रूप से आईपी क्षेत्रों का सामाजिक प्रभाव आकलन करने की आवश्यकता होगी। वर्तमान आईपीएफ की आवश्यकताएं ऐसे सभी समूहों पर लागू होंगी, जब भी आईपी समुदाय किसी प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र में मौजूद हों या उनका सामूहिक लगाव हो, जैसा कि पर्यावरणीय और सामाजिक मूल्यांकन के दौरान निर्धारित किया जाता है, ऐसे किसी भी प्रभाव के महत्व की परवाह किए बिना।

आईपीएफ में आईपी के ऐसे समुदाय या समूह भी शामिल हैं, जो समुदाय या समूह के सदस्यों के जीवनकाल के दौरान, जबर्न अलगाव, संघर्ष, सरकारी पुनर्वास कार्यक्रमों, उनकी भूमि से बेदखल किए जाने, प्राकृतिक आपदाओं या ऐसे

क्षेत्रों को शहरी क्षेत्र में शामिल किए जाने के कारण परियोजना क्षेत्र में अलग-अलग आवासों या पैतृक क्षेत्रों से सामूहिक लगाव खो चुके हैं, साथ ही वनवासी, शिकारी-संग्राहक, चरवाहे या अन्य खानाबदोश समूह भी शामिल हैं। यदि किसी आईपी के परियोजना क्षेत्र में मौजूद होने या उससे सामूहिक लगाव होने की पुष्टि हो जाती है, तो प्रॉस्पेरेट समर्थित परियोजना को आईपी ढांचे के परामर्श, योजना या अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयुक्त विशेषज्ञों से इनपुट लेने की आवश्यकता हो सकती है।

प्रॉस्पेरेट के आईपीएफ के प्रति दृष्टिकोण

प्रॉस्पेरेट अपने निवेशों को इस तरह से डिजाइन और लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है जो आईपी की पहचान, गरिमा, मानवाधिकारों, आजीविका प्रणालियों और सांस्कृतिक विशिष्टता के लिए पूर्ण सम्मान को बढ़ावा देता है जैसा कि आईपी द्वारा स्वयं परिभाषित किया गया है और वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त मानकों के अनुरूप है। प्रॉस्पेरेट के दृष्टिकोण का उद्देश्य आईपीएफ में ईएंडएस सुरक्षा उपायों को शामिल करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रॉस्पेरेट निवेशित कंपनियों द्वारा प्रभावित आईपी (यदि कोई हो):

- सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त सामाजिक और आर्थिक लाभ प्राप्त करें,
- ऐसी परियोजनाओं के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव न झेलना पड़े, और
- उन परियोजनाओं के निर्णयों में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं जो उन्हें प्रभावित करती हैं।

यदि प्रॉस्पेरेट समर्थित परियोजना प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आईपी की गरिमा, मानव अधिकार, आजीविका प्रणाली या संस्कृति को प्रभावित करती है, या आईपी के स्वामित्व वाले, उपयोग, कब्जे वाले या पैतृक क्षेत्र या संपत्ति के रूप में दावा करने वाले क्षेत्रों या प्राकृतिक या सांस्कृतिक संसाधनों को प्रभावित करती है, तो आईपी सुरक्षा उपाय लागू हो जाते हैं।

प्रॉस्पेरेट संदर्भ में, आईपी एक विशिष्ट, कमजोर, सामाजिक और सांस्कृतिक समूह को संदर्भित करता है, जिसमें अलग-अलग डिग्री में निम्नलिखित विशेषताएं होती हैं:

- एक विशिष्ट स्वदेशी सामाजिक और सांस्कृतिक समूह के सदस्य के रूप में स्वयं की पहचान और दूसरों द्वारा इस पहचान की मान्यता;
- भौगोलिक दृष्टि से भिन्न आवासों, पैतृक क्षेत्रों या मौसमी उपयोग या व्यवसाय के क्षेत्रों के साथ-साथ इन क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सामूहिक लगाव;
- प्रथागत सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक या राजनीतिक प्रणालियाँ जो मुख्यधारा के समाज या संस्कृति से भिन्न या पृथक हैं; तथा
- एक अलग भाषा या बोली, जो अक्सर उस देश या क्षेत्र की आधिकारिक भाषा या भाषाओं से अलग होती है जिसमें वे रहते हैं। इसमें ऐसी भाषा या बोली शामिल है जो अस्तित्व में थी लेकिन अब अस्तित्व में नहीं है क्योंकि ऐसे प्रभावों के कारण किसी समुदाय या समूह के लिए एक अलग भाषा या बोली को बनाए रखना मुश्किल हो गया है।

आईपीएफ के लिए लागू संदर्भ और मानक

आईपीएफ को किसी भी संभावित निवेशकर्ता कंपनी के लिए तैयार किया गया है, जिस पर प्रॉस्पेरेट विचार कर सकता है, आईएफसी पीएस7 और संबंधित मार्गदर्शन नोट के साथ-साथ ग्रीन क्लाइमेट फंड स्वदेशी लोगों की नीति और

संबंधित परिचालन दिशानिर्देशों, विश्व बैंक पर्यावरण और सामाजिक ढांचे (ईएसएफ) और प्रॉस्पेरेटे की एकीकृत सुरक्षा प्रणाली (आईएसएस) की आवश्यकताओं के अनुसार, परियोजनाओं के चयन, स्क्रीनिंग, तैयारी और वर्गीकरण का मार्गदर्शन करने और परियोजना लाभों का बेहतर वितरण सुनिश्चित करने और परियोजना क्षेत्र में आईपी के विकास को बढ़ावा देने के लिए।

ऐसा करने पर, प्रॉस्पेरेटे पाइपलाइन कंपनियों को आईपी पर उनके प्रभाव के लिए परखा जाएगा और ऐसे निवेश को मंजूरी नहीं दी जाएगी यदि परियोजना आईपी की गरिमा, मानवाधिकारों, आजीविका प्रणालियों या संस्कृति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, या आईपी के स्वामित्व वाले, उपयोग किए जाने वाले, कब्जे वाले या अपने पैतृक क्षेत्र के रूप में दावा करने वाले क्षेत्रों या प्राकृतिक या सांस्कृतिक संसाधनों को प्रभावित करती है। आईपी पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली कंपनियों पर विचार किया जाएगा। सकारात्मक प्रभाव में सामाजिक और वाणिज्यिक सेवाओं आदि तक बेहतर पहुंच शामिल हो सकती है।

कोई भी परियोजना जिसका बौद्धिक सम्पदा पर प्रभाव हो सकता है, वह कानूनों, विनियमों और अंतर्राष्ट्रीय मानकों और दिशानिर्देशों की प्रासंगिक आवश्यकताओं के अधीन होगी, जिनमें शामिल हैं:

- भूमध्य रेखा सिद्धांत (EP4)
- आईएफसी पीएस7
- राष्ट्रीय विधान
- ईएसआईए विधान
- आईएलओ कन्वेंशन सी169 - स्वदेशी और जनजातीय लोगों का कन्वेंशन, 1989 (सं. 169)
- जीसीएफ के परिचालन दिशानिर्देश: स्वदेशी लोगों की नीति¹
- प्रॉस्पेरेटे का ईएसएमएस
- मेजबान देश द्वारा किए गए प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय समझौते/अभिसमय

विश्व बैंक ईएमएफ, जीसीएफ आईपीपी दिशानिर्देशों तथा अन्य के आधार पर आईपीएफ के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- स्वदेशी लोगों की योजना (आईपीपी) की तैयारी के लिए व्यवस्था निर्धारित करना
- आईपीपी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सिद्धांतों को परिभाषित करना
- जहां आवश्यक हो, पर्याप्त एफपीआईसी प्रक्रिया के साथ सार्थक हितधारक परामर्श के माध्यम से आईपी के एक विशिष्ट, कमजोर, सामाजिक और सांस्कृतिक समूह वाले प्रभावित समुदायों की सहमति की आवश्यकता पर बल दिया जाएगा।

किसी परियोजना क्षेत्र पर आईपी की उपस्थिति की पहचान की जाती है, तो वर्तमान आईपीएफ के आधार पर एक आईपीपी विकसित किया जाना चाहिए। आईपीपी में कई गतिविधियाँ शामिल होने की उम्मीद है और इसमें संभावित नकारात्मक प्रभावों के शमन उपाय, परियोजना के डिजाइन में संशोधन और विकास सहायता शामिल होगी। ऐसी स्थिति में जहाँ आईपी समुदायों में भूमि अधिग्रहण होता है, ऐसी पाइपलाइन कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि आईपी अधिकारों

¹<https://www.greenclimate.fund/sites/default/files/document/ipp-operational-guidelines.pdf>

का उल्लंघन नहीं किया जाएगा और उन्हें अपनी भूमि के किसी भी हिस्से के उपयोग के लिए उस तरीके से मुआवजा दिया जाएगा जो प्रभावित आईपी के लिए सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य हो।

एक आईपीपी में ²कम से कम निम्नलिखित अनुभाग शामिल होंगे:

- a. सामाजिक प्रभाव आकलन,
- b. भूमि स्वामित्व संबंधी जानकारी,
- c. स्थानीय भागीदारी, सूचना प्रकटीकरण, सार्थक परामर्श,
- d. लाभकारी उपाय या शमन गतिविधियाँ,
- e. संस्थागत व्यवस्था और क्षमता निर्माण,
- f. शिकायत निवारण तंत्र,
- g. कार्यान्वयन अनुसूची,
- h. निगरानी और मूल्यांकन, और
- i. लागत अनुमान और वित्तपोषण योजना

आईपी फ्रेमवर्क का औचित्य

आईपी फ्रेमवर्क यह सत्यापित करने के लिए प्रक्रियाओं पर एक गाइड स्थापित करता है कि क्या आईपी आबादी प्रॉस्पेरेटे निवेशकों से प्रभावित होगी और आईपी भेद्यता का संभावित स्तर। यह इस बात का भी निर्धारण करता है कि क्या आईपी योजना को इस तरह से तैयार करने की आवश्यकता होगी जो आईपी की विशेष स्थिति के अनुकूल हो और जिससे आईपी जरूरतों की प्राथमिकता और प्राथमिकताएं तय हो सकें। यह ध्यान दिया जा सकता है कि प्रॉस्पेरेटे जिस तरह की निवेशित कंपनियों पर विचार करता है, उनके लिए आईपी पर महत्वपूर्ण प्रभाव की परिकल्पना नहीं की गई है।

आईपी पर परियोजनाओं का संभावित प्रभाव

प्रत्येक परियोजना के संभावित ई एंड एस प्रभावों की सीमा परियोजना के प्रकार और आकार, स्थान, आधारभूत पर्यावरण, सामाजिक संदर्भ और प्रभावित समुदायों जैसे विभिन्न कारकों के कारण भिन्न होती है। कुछ ई एंड एस प्रभाव एक परियोजना प्रकार के लिए दूसरे की तुलना में अधिक प्रासंगिक होने की संभावना है। यह माना जाता है कि अपनी अनूठी परिस्थितियों के कारण, आईपी समुदाय किसी परियोजना के प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं, और स्थानीय समुदाय के अन्य सदस्यों की तुलना में उन पर अलग तरह से प्रभाव पड़ सकता है। इस कारण से, आईपी की कमजोरियों को मूल्यांकन के एक विशिष्ट पहलू के रूप में माना जाएगा जब आईपी को मौजूद माना जाता है। आईपी और समुदाय के अन्य सभी सदस्यों पर पड़ने वाले प्रभावों पर परियोजना जीवनचक्र के सभी चरणों के संबंध में विचार किया जाएगा।

अनुमानित संभावित प्रभावों में आईपी पर आजीविका, आईपी के जीवन के सांस्कृतिक, औपचारिक या आध्यात्मिक पहलुओं पर प्रभाव शामिल हैं, जिसमें परियोजना गतिविधियों के परिणामस्वरूप परिसंपत्तियों या संसाधनों तक पहुंच की हानि या भूमि उपयोग पर प्रतिबंध शामिल हैं।

²अधिक जानकारी के लिए अनुलग्नक 3 देखें

तालिका 1 आईपी पर संभावित प्रभावों पर मार्गदर्शन प्रस्तुत करती है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि प्रत्येक परियोजना के विशिष्ट प्रभावों का मूल्यांकन प्रत्येक परियोजना के लिए अलग से किया जाना चाहिए। परियोजना के विकास, संचालन और डीकमीशनिंग चरणों के बीच प्रभावों को भी विभेदित किया जाना चाहिए।

तालिका 1: आईपी पर प्रत्याशित प्रतिकूल और सकारात्मक प्रभाव

संभावित प्रतिकूल प्रभाव		संभावित सकारात्मक प्रभाव	
सुरक्षा और आजीविका	भौतिक	प्रत्यक्ष	अप्रत्यक्ष
- आवास, कृषि भूमि और बागों का नुकसान - प्राकृतिक संसाधनों और आर्थिक, सांस्कृतिक या आध्यात्मिक मूल्य की भूमि का नुकसान - गतिशीलता और पहुंच पर प्रतिबंध - सामुदायिक नेटवर्क और संरचना में गड़बड़ी - अंतर्वाह और अंतर्देशीय प्रवास - सामुदायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और संरक्षा जोखिम	- शोर और कंपन - वायु, जल और मृदा प्रदूषण - आर्थिक, सांस्कृतिक या आध्यात्मिक मूल्य की भूमि तक पहुंच का नुकसान - जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ	- संबंधित परियोजना और/या उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं तक बेहतर पहुंच - स्थानीय प्रत्यक्ष रोजगार और प्रशिक्षण	- अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर - स्थानीय आर्थिक विकास

आईपीएफ प्रावधानों के अनुप्रयोग की पद्धति

वर्तमान आईपीएफ, आईपी से संबंधित आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए लागू किए जाने वाले निम्नलिखित कदम प्रस्तुत करता है, जैसा कि लागू मानकों में निर्धारित किया गया है:

- परियोजना के प्रभाव क्षेत्र में आईपी समुदायों की पहचान और जांच, जनसांख्यिकीय डेटा, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्थिति, तथा सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सहित विविध स्रोतों से एकत्रित प्रासंगिक जानकारी की समीक्षा करके प्रारंभिक चरण में वर्गीकरण, ताकि यह निर्धारित किया जा सके:
 - क्या आईपी परियोजना क्षेत्र में मौजूद हैं या उनका परियोजना क्षेत्र से सामूहिक जुड़ाव है। यदि ऐसा है, तो आईपीपी को इस आईपीएफ के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए तैयार रहना होगा।
 - क्या परियोजना का बौद्धिक संपदा पर प्रभाव पड़ने की संभावना है?

संक्षेप में, स्क्रीनिंग और उचित परिश्रम के चरणों के दौरान आईपी के अस्तित्व की संभावना का आकलन किया जाएगा। स्क्रीनिंग निवेशित कंपनी और प्रॉस्पेरेट टीम द्वारा की जाएगी और परियोजना के प्रभाव क्षेत्र में आईपी के अस्तित्व की पुष्टि करने का प्रयास किया जाएगा। स्क्रीनिंग और उचित परिश्रम को आवश्यकतानुसार बाहरी विशेषज्ञ सलाह द्वारा समर्थित किया जाएगा।

- b. भेद्यता, जोखिम और प्रभाव की गंभीरता के स्तर के अनुसार वर्गीकरण। IP पर संभावित प्रभावों के महत्व के आधार पर परियोजनाओं को श्रेणियाँ सौंपी जाएँगी:
 - श्रेणी ए: यदि प्रस्तावित निवेश परियोजना का आईपी पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है, तो **प्रॉस्पेरेट अपनी ईएस नीति के अनुरूप ऐसे निवेश के साथ आगे नहीं बढ़ेगा।**
 - श्रेणी बी: यदि प्रस्तावित परियोजना का आईपी पर सीमित प्रभाव पड़ने की संभावना है, तो सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन की आवश्यकता हो सकती है
 - श्रेणी सी: यदि प्रस्तावित परियोजना से बौद्धिक संपदा पर कोई प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, तो आगे कोई कार्रवाई आवश्यक नहीं है।

कृपया ध्यान दें कि यह रेटिंग अन्य कारकों के अतिरिक्त है, जिन पर ईएस नीति के अनुसार विचार किया जाता है।

- c. सांस्कृतिक और लैंगिक रूप से संवेदनशील सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) करें या आईपी पर संभावित परियोजना प्रभावों, सकारात्मक और प्रतिकूल दोनों, का आकलन करने के लिए समान तरीकों का उपयोग करें। परियोजना लाभों के प्रावधान और शमन उपायों के डिजाइन के संबंध में प्रभावित आईपी द्वारा पसंद किए गए विकल्पों पर पूरा विचार करते हुए, मूल्यांकन प्रभावित आईपी के लिए सामाजिक और आर्थिक लाभ प्राप्त करेगा जो सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त होने के साथ-साथ लैंगिक और अंतर-पीढ़ीगत रूप से समावेशी होंगे, जिसमें आईपी पर प्रतिकूल प्रभावों से बचने, कम करने और/या कम करने के उपाय शामिल होंगे। अनुलग्नक 2 में एक दिशानिर्देश दिया गया है।
- d. प्रभावित आईपी समुदायों और संबंधित आईपी संगठनों के साथ सार्थक परामर्श करें। परामर्श प्रक्रिया में उनके FPIC को प्राप्त करने और उन मामलों पर उनकी सूचित भागीदारी को सुविधाजनक बनाने की प्रक्रिया शामिल होगी जो उन्हें सीधे प्रभावित करते हैं, जैसे कि विकास लाभ और अवसरों को साझा करना, कार्यान्वयन के मुद्दे और प्रतिकूल प्रभावों से बचने के लिए शमन उपाय या, जब बचना संभव न हो, तो ऐसे प्रभावों को कम करने, कम करने या क्षतिपूर्ति करने के लिए। परियोजना लाभ को सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त तरीके से प्रभावित आईपी समुदायों के लिए तैयार किया जाना चाहिए। आईपी की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाने के लिए, उन्हें प्रभावित करने वाली परियोजनाओं को सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और लिंग-संवेदनशील क्षमता विकास और आईपी की चिंताओं को प्राप्त करने और उनके समाधान को सुविधाजनक बनाने के लिए सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और लिंग-संवेदनशील शिकायत तंत्र प्रदान करना चाहिए।
- e. जब भी आवश्यक हो, परियोजना गतिविधियों से प्रभावित आईपी समुदायों के साथ FPIC प्रक्रिया का सही अनुप्रयोग सुनिश्चित करें। FPIC प्रक्रिया पुनरावृत्तीय होती है, किसी भी कार्यक्रम गतिविधि को शुरू करने से पहले आईपी की सहमति की आवश्यकता होती है, जो उनके स्वयं के स्वतंत्र विचार-विमर्श के आधार पर होती है, और आईपी द्वारा समझे जाने वाले तरीके से सटीक और पूर्ण जानकारी के प्रावधान पर आधारित होती है।

FPIC का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि IP को परियोजना डिज़ाइन के बारे में पूरी जानकारी दी जाए और उनसे परामर्श किया जाए, और उन्हें परियोजना डिज़ाइन और कार्यान्वयन चरणों में विरोध करने या सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए पर्याप्त और वैध अवसर प्रदान किए जाएं। FPIC प्रक्रिया की आवश्यकता वाली परियोजनाएँ वे परियोजनाएँ हैं जिनमें शामिल हैं:

- आईपी के सांस्कृतिक संसाधनों और ज्ञान का व्यावसायिक विकास, या आईपी सांस्कृतिक विरासत पर महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव
 - पारंपरिक या प्रथागत भूमि से स्थानांतरण, जिसमें प्रथागत उपयोग या कब्जे वाली भूमि भी शामिल है, और
 - पारंपरिक स्वामित्व या प्रथागत उपयोग या कब्जे के अधीन भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रभाव।
- आईपीएफ कार्यान्वयन के प्रयोजनों के लिए, एफपीआईसी से तात्पर्य प्रभावित आईपी द्वारा, व्यक्तियों और/या उनके मान्यता प्राप्त प्रतिनिधियों के माध्यम से, ऐसी परियोजना गतिविधियों के लिए व्यापक सामुदायिक समर्थन की सामूहिक अभिव्यक्ति से है।
- f. भूमि और भू-भाग या पैतृक सम्पत्तियों पर प्रथागत अधिकारों की कानूनी मान्यता के लिए कार्य योजना तैयार करें, जब परियोजना में निम्नलिखित शामिल हों:
- ऐसी गतिविधियाँ जो भूमि और क्षेत्रों पर कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त अधिकारों की स्थापना पर निर्भर हैं, जिन पर आईपी का पारंपरिक रूप से स्वामित्व है या जिनका वे परंपरागत रूप से उपयोग करते हैं या जिन पर उनका कब्जा है, या
 - ऐसी भूमि का अनैच्छिक अधिग्रहण।
 - योग्य और अनुभवी विशेषज्ञों का उपयोग करके आईपी ढाँचे और योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करना; जहाँ भी संभव हो, एक सहभागी निगरानी दृष्टिकोण अपनाना; और आधारभूत स्थितियों, आईपी निगरानी के परिणामों और निगरानी रिपोर्टों के प्रकटीकरण को ध्यान में रखते हुए यह आकलन करना कि क्या आईपीएफ का उद्देश्य और वांछित परिणाम प्राप्त किया गया है।

आईपीएफ की सामान्य आवश्यकताएं

जीसीएफ स्वदेशी लोगों की नीति के अनुरूप, परियोजना उन सभी परियोजनाओं के लिए एक उचित एफपीआईसी प्रक्रिया आयोजित करेगी, जिनके लिए सामाजिक जोखिम मूल्यांकन आईपी समुदायों पर महत्वपूर्ण प्रभावों का जोखिम उत्पन्न करता है। ऐसे मामलों में जिनमें आईपी समुदायों पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन ऊपर उल्लिखित मार्गदर्शन के अनुसार एफपीआईसी प्रक्रिया शुरू नहीं की जाती है, निवेश करने वाली कंपनी को एक आईपीपी तैयार करने की आवश्यकता होगी जो ऐसे प्रतिकूल प्रभावों से बचने के उपायों की पहचान करेगी। जब बचना संभव नहीं है, तो परियोजना सांस्कृतिक रूप से उचित तरीके से इन प्रभावों को कम से कम करेगी, कम करेगी या क्षतिपूर्ति करेगी। प्रस्तावित कार्रवाई प्रभावित आईपी की सूचित भागीदारी के साथ विकसित की जाएगी।

प्रॉस्पेरेटे तब तक उचित परिश्रम चरण से आगे नहीं बढ़ेगा जब तक कि वह यह प्रदर्शित करने में सक्षम न हो कि आईपी के लिए आवश्यकताओं को पूरा किया गया है। ऐसा करने में, परियोजना के प्रभाव क्षेत्र में आईपी समुदाय के अस्तित्व की पुष्टि होने पर पालन किए जाने वाले सामान्य सिद्धांत और आवश्यकताएं अनुलग्नक 1 में दी गई हैं।

ऐसे मामलों में आयोजित किए जाने वाले ई.एस.आई.ए. की विषय-वस्तु अनुबंध 2 में दी गई है। ई.एस.आई.ए. के आधार पर एक आई.पी.पी. विकसित करने की आवश्यकता होगी, ऐसे आई.पी.पी. पर मार्गदर्शन अनुबंध 3 में दिया गया है।

अनुलग्नक 1

यदि किसी आईपी समुदाय के अस्तित्व की पुष्टि हो जाती है तो पालन किए जाने वाले सामान्य सिद्धांत

विषय	विवरण
प्रभाव आकलन	• यदि ई एंड एस स्क्रीनिंग और उचित परिश्रम के दौरान आईपी की पहचान की गई है, तो ईएसआईए के दौरान आगे का विश्लेषण किया जाएगा, जो प्रारंभिक अनुमोदन के बाद शुरू किया जाएगा (यानी विकास चरण के दौरान और निर्माण इक्विटी फंडिंग निवेश समिति की मंजूरी लेने के लिए आगे बढ़ने से पहले)।
भागीदारी और सहमति	• परियोजना का उद्देश्य परियोजना नियोजन के दौरान और परियोजना की पूरी अवधि के दौरान, यथाशीघ्र, प्रभावित आईपी समूह(समूहों) के साथ-साथ व्यापक परियोजना प्रभावित समुदायों के साथ सतत संबंध स्थापित करना होगा। • सभी हितधारक समूहों (आईपी समुदायों सहित) के साथ सहभागिता आमतौर पर ईएसआईए के प्रारंभिक चरण के दौरान औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। • परियोजनाओं को सूचना प्रकटीकरण और सूचित परामर्श और भागीदारी (आईसीपी) की प्रक्रिया के माध्यम से प्रभावित आईपी समुदाय के साथ जुड़ना होगा। सांस्कृतिक संसाधनों के वाणिज्यिक विकास, पारंपरिक या प्रथागत भूमि से स्थानांतरण, या पारंपरिक स्वामित्व के अधीन भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रभाव से जुड़ी परियोजनाओं के लिए, जैसा कि ऊपर बताया गया है, आईपी समुदाय से स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति (एफपीआईसी) प्राप्त करना आवश्यक होगा। • परियोजनाओं को सार्थक परामर्श और भागीदारी के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण तैयार करने और लागू करने में सहायता के लिए विशेषज्ञों को नियुक्त किया जाएगा।
संस्थागत व्यवस्था	• जहां परियोजना क्षेत्र में आईपी समुदायों के अस्तित्व की पुष्टि हो जाती है, वहां परियोजना कंपनी द्वारा निम्नलिखित संस्थागत व्यवस्था स्थापित की जाएगी: - शिकायत तंत्र और प्रबंधन प्रक्रिया जो सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और आईपी समुदायों के लिए सुलभ हो; - आईपी-संबंधित प्रतिबद्धताओं के सतत प्रबंधन में सहायता के लिए आईपी विशेषज्ञों तक पहुंच; - योजनाओं और परियोजना दस्तावेजों का भंडार जो प्रभावित आईपी समुदाय को उचित रूप, तरीके और भाषा में उपलब्ध कराया जाता है;
पारंपरिक या प्रथागत भूमि पर प्रभाव	• परियोजना कम्पनियों को वैकल्पिक परियोजना डिजाइनों पर विचार करना चाहिए, ताकि वे आईपी की पहचान और समुदाय को परिभाषित करने वाली पारंपरिक या प्रथागत भूमि पर स्थित होने और/या आजीविका या सांस्कृतिक, औपचारिक या आध्यात्मिक उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डालने से बचें।

	• यदि यह संभव न हो, तथा बौद्धिक संपदा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, तो परियोजना कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि ईएसआईए के भाग के रूप में एफपीआईसी की प्रक्रिया का पालन किया जाए। • एफपीआईसी प्रक्रिया के भाग के रूप में परियोजना कंपनी निम्नलिखित कार्य करेगी: - प्रस्तावित परियोजना के प्रभाव से बचने या कम से कम उसे न्यूनतम करने के प्रयासों का दस्तावेजीकरण करना; - प्रभावित आईपी समुदायों के साथ सहयोग करके उनके भूमि दावे को प्रभावित किए बिना भूमि उपयोग का दस्तावेजीकरण करना; - प्रभावित आईपी समुदायों को राष्ट्रीय कानूनों के तहत उनकी भूमि के संबंध में उनके अधिकारों के बारे में सूचित करना, विशेष रूप से प्रथागत अधिकारों या उपयोग को मान्यता देने वाले कानूनों के बारे में; - प्रभावित आईपी समुदायों को उचित मुआवजा और लाभ-साझाकरण तंत्र जैसी उचित प्रक्रिया की पेशकश करें; और/या जहां संभव हो, नकद मुआवजे के बदले भूमि आधारित और/या वस्तुगत मुआवजा प्रदान करें; और - प्रभावित आईपी समुदायों के साथ सद्भावपूर्ण वार्ता और सार्थक परामर्श करना तथा उनकी सूचित भागीदारी और परामर्श के परिणामों का दस्तावेजीकरण करना।
स्वदेशी लोगों का पुनर्वास	• परियोजना कम्पनियों को स्थानीय लोगों को उनकी सामुदायिक रूप से स्वामित्व वाली पारंपरिक या प्रथागत भूमि से विस्थापित होने से बचाने के लिए वैकल्पिक परियोजना डिजाइनों पर विचार करना चाहिए। • यदि स्थानांतरण अपरिहार्य है, तो परियोजनाएं तब तक आगे नहीं बढ़ेंगी, जब तक कि प्रभावित आईपी के साथ सद्भावपूर्ण वार्ता और सार्थक परामर्श न हो जाए, और उचित एफपीआईसी प्रक्रिया में उनकी सहमति के प्रावधान को पर्याप्त रूप से प्रलेखित न कर दिया जाए। • स्वदेशी लोगों के किसी भी पुनर्वास को IFC PS 5 (भूमि अधिग्रहण और अनैच्छिक पुनर्वास) के अनुरूप होना चाहिए। स्थानांतरित किए गए स्वदेशी लोगों के लिए अपनी पारंपरिक या प्रथागत भूमि पर लौटने का विकल्प, यदि उनके स्थानांतरण का कारण मौजूद नहीं है, तो परियोजना चक्र के दौरान बना रहना चाहिए।
सांस्कृतिक संसाधन	• जहां कोई परियोजना व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए आईपी के सांस्कृतिक संसाधनों, ज्ञान या प्रथाओं का उपयोग करने का प्रस्ताव करती है, परियोजना आईपी को दस्तावेज और सूचित करेगी और एक उपयुक्त एफपीआईसी प्रक्रिया का संचालन करेगी, जिसमें अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित जानकारी का प्रावधान शामिल होगा: - राष्ट्रीय कानूनों के तहत उनके अधिकार;

	- प्रस्तावित वाणिज्यिक विकास का दायरा और प्रकृति; और - ऐसे विकास के संभावित परिणाम। यदि आईपी अपना एफपीआईसी देने से इनकार करते हैं, तो परियोजना लागू नहीं की जाएगी।
विकास लाभ	- ईएसआईए प्रक्रिया के माध्यम से और उसके बाद चल रही भागीदारी के हिस्से के रूप में, सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त विकास लाभों के लिए अवसरों की पहचान की जाएगी। ऐसे अवसर परियोजना के प्रभावों की डिग्री के अनुरूप होने चाहिए, जिनका उद्देश्य सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त तरीके से उनके जीवन स्तर और आजीविका में सुधार करना और उन प्राकृतिक संसाधनों की दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देना है जिन पर वे निर्भर हैं। - लाभ और लाभ साझा करने के लिए सहमत प्रक्रिया को आईपीपी (और परियोजना के सामुदायिक विकास कार्यक्रम) में प्रलेखित किया जाएगा और पारदर्शी समावेशन, सहभागिता और निर्णय लेने की सतत प्रक्रिया के भाग के रूप में आईपी समुदायों को प्रदान किया जाएगा।

अनुलग्नक - 2

ईएसआईए उन परियोजनाओं के लिए दायरा जहां स्वदेशी लोग रहते हैं

विषय	विवरण
आईपी प्रभाव आकलन का दायरा (ईएसआईए का घटक)	- परियोजना का विवरण तथा स्वदेशी लोगों पर संभावित मुद्दे या प्रभाव, जिसमें किसी भी संभावित प्रभाव का संकेत शामिल है, जो प्रभावित समुदाय के अन्य समूहों की तुलना में आईपी को अलग तरह से प्रभावित करने की उम्मीद है। - आईपी समुदाय की जनसांख्यिकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विशेषताओं पर आधारभूत जानकारी, जिसमें आईपी समुदाय के भीतर किसी विशिष्ट कमजोरियों (नीचे देखें) पर विचार शामिल है। - परियोजना से बौद्धिक संपदा पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव और बौद्धिक संपदा को होने वाले लाभों का आकलन। - परियोजना के उद्देश्यों, परियोजना लाभों की पहुंच और सांस्कृतिक उपयुक्तता, किसी भी प्रतिकूल प्रभाव का शमन, और परियोजना कार्यान्वयन व्यवस्था के संबंध में आईपी समुदाय की प्राथमिकताओं और चिंताओं का सारांश।
भागीदारी और सहमति	- आईपी समुदायों के साथ सहभागिता आईएफसी पीएस1 की मानक आवश्यकताओं के अनुसार की जाएगी और इसके अतिरिक्त: - आईपी प्रतिनिधि निकायों और संगठनों (जैसे बुजुर्गों की परिषद या ग्राम परिषद) के साथ-साथ आईपी के प्रभावित समुदायों के सदस्यों को भी शामिल करें; - सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त तरीके से महिलाओं और पुरुषों तथा विभिन्न आयु समूहों को शामिल करना; - आईपी समुदाय द्वारा अपनाई गई निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का सम्मान करें तथा उन्हें पर्याप्त समय प्रदान करें; तथा - बाह्य हेरफेर, हस्तक्षेप या दबाव के बिना, तथा बिना किसी धमकी के, आईपी समुदाय की पसंद की भाषा में विचारों, चिंताओं और प्रस्तावों की अभिव्यक्ति को सुगम बनाना। - परियोजना क्षेत्र में आईपी समुदायों के साथ परियोजनाएं, समुदायों को उन मामलों पर सूचित भागीदारी की सुविधा प्रदान करेंगी जो उन्हें प्रभावित करते हैं, जैसे प्रस्तावित प्रभाव शमन उपाय, विकास लाभ और अवसरों को साझा करना, और कार्यान्वयन के मुद्दे।
निःशुल्क पूर्व एवं सूचित सहमति (एफपीआईसी)	कुछ विशिष्ट मामलों में, आईपी समुदाय से स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति (एफपीआईसी) प्राप्त करना आवश्यक होगा।

	• जिन परिस्थितियों में एफपीआईसी की आवश्यकता होती है वे हैं: - परियोजना से पारंपरिक स्वामित्व या प्रथागत उपयोग के अधीन भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रभाव पड़ सकता है (आईएफसी पीएस7 पैराग्राफ 13-14); - आईपी को पारंपरिक स्वामित्व या प्रथागत उपयोग के अधीन भूमि और प्राकृतिक संसाधनों से स्थानांतरित करने की आवश्यकता होगी (आईएफसी पीएस7 पैराग्राफ 15); और/या - परियोजना से सांस्कृतिक विरासत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है और/या परियोजना में सांस्कृतिक विरासत का उपयोग वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव है (आईएफसी पीएस7 पैराग्राफ 16-17)। • इसका उद्देश्य परियोजनाओं के लिए आईपी की सूचित सहमति प्राप्त करना और उसे बनाए रखना है। यह निर्धारण आम तौर पर उप-परियोजना उद्देश्यों, योजनाओं और कार्यान्वयन व्यवस्थाओं के बारे में सहायक विचारों की सामूहिक और साक्ष्य अभिव्यक्ति पर आधारित होता है। इस निर्धारण के लिए सर्वसम्मति की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि समर्थन तब भी मौजूद हो सकता है जब समुदाय के भीतर आंतरिक असहमति हो या जब उप-परियोजना उद्देश्यों या प्रस्तावित व्यवस्थाओं के लिए सीमित विरोध हो। • आईपीपी निर्धारण के आधार के साथ-साथ अपनाई गई परामर्श प्रक्रिया का भी वर्णन करेगा।
कमजोरियों का आकलन	• मूल्यांकन का एक प्रमुख पहलू यह है कि प्रभावित स्वदेशी लोगों की सापेक्षिक कमजोरियों को समझना, कि परियोजना उन्हें किस प्रकार प्रभावित कर सकती है, तथा परियोजना किस प्रकार परिवर्तनकारी जलवायु कार्रवाई में योगदान देने में उनकी भूमिका को बढ़ा सकती है। • ईएसआई में संवेदनशीलता और उसके मानदंडों को परिभाषित करने के लिए भागीदारी प्रक्रिया शामिल होगी, जैसे कि प्रश्रवली या अन्य उपकरण जो इस तरह से विकसित किए जाएं कि वे समुदायों द्वारा समझे और उपयोग योग्य हों। • भेद्यता के विश्लेषण में आईपी पर विचार शामिल होगा: - आर्थिक, सामाजिक और कानूनी स्थिति; - राष्ट्रीय और प्रथागत कानून के तहत भूमि, क्षेत्र और संसाधनों की स्थिति, जिनसे उनका सामूहिक लगाव है (नीचे देखें); - संस्थाएं, रीति-रिवाज, संस्कृति और/या भाषा; - प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता, जिसमें प्रथागत एवं पारंपरिक आजीविका भी शामिल है; तथा - प्रमुख समूहों और मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था के साथ अतीत और

	वर्तमान संबंध।
सामूहिक लगाव	- ईएसआईए आईपी समुदाय के बीच मौजूद सामूहिक लगाव के स्तर और प्रकार का निर्धारण करेगा। - सामूहिक लगाव का निर्धारण और मूल्यांकन करते समय, इस तथ्य पर विचार किया जाना चाहिए कि आईपी समूह कई अलग-अलग परिस्थितियों में रहते हैं और जिन क्षेत्रों में वे रहते हैं, उनके प्रति लगाव का स्तर भी अलग-अलग होता है।
अनपेक्षित परिणामों पर विचार	- कुछ परिस्थितियों में, परियोजना के लाभ, जैसे सड़क, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुंच में वृद्धि, स्वदेशी लोगों पर उनकी विशेष परिस्थितियों या कमजोरियों के कारण अनपेक्षित प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। - ईएसआईए संभावित प्रभावों पर विचार करेगा, जिसमें भाषा और सांस्कृतिक मानदंडों की हानि, पारंपरिक शासन संरचनाओं को कमजोर करना, आंतरिक संघर्ष का निर्माण, भूमि पर दबाव और अतिक्रमण में वृद्धि, तथा प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव या प्रदूषण शामिल हो सकते हैं। - ई.एस.आई.ए. में ऐसे प्रतिकूल प्रभावों की संभावना और पैमाने की पहचान करने तथा उनसे बचने, उन्हें कम करने या क्षतिपूर्ति करने के तरीकों के लिए सहभागी पद्धतियों का उपयोग शामिल होगा।
विभेदक प्रभावों पर विचार	- स्वदेशी लोग विषम हो सकते हैं और इनमें कई समूह और इन समूहों के भीतर अलग-अलग सामाजिक इकाइयाँ शामिल हो सकती हैं (जैसे कि व्यक्ति, कबीले, समुदाय और जातीय समूह)। सांस्कृतिक पहचान, भौगोलिक पहुँच, भाषा, शासन संरचना, सामंजस्य और प्राथमिकताओं के मुद्दे समूहों के बीच बहुत भिन्न हो सकते हैं। - परियोजनाओं का समुदाय के भीतर अलग-अलग उपसमूहों पर अलग-अलग प्रभाव भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, किसी परियोजना के लिए भूमि एक कबीले से अधिग्रहित की जा सकती है, लेकिन इस तरह के अधिग्रहण से अन्य कबीलों की ऐसी भूमि और उस पर स्थित संसाधनों तक पारंपरिक पहुँच और उपयोग पर असर पड़ सकता है। - ई.एस.आई.ए. के भाग के रूप में किया गया सामाजिक मूल्यांकन विभिन्न समूहों की पहचान करने तथा उनमें से प्रत्येक पर संभावित प्रभावों की प्रकृति और महत्व को समझने का आधार बनेगा।
प्राकृतिक संसाधन और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ	- परियोजनाएँ स्वदेशी लोगों की पहचान, प्राकृतिक संसाधन-आधारित आजीविका, खाद्य सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। ईएसआईए इस बात पर विचार करेगा कि इस तरह के प्रभाव किस हद तक उत्पन्न हो सकते हैं। - संबंधित कंपनी को ऐसे प्रभावों से बचने का प्रयास करना चाहिए तथा इसके

	स्थान पर आईपी के परामर्श एवं भागीदारी से व्यवहार्य वैकल्पिक परियोजना डिजाइनों की खोज करनी चाहिए। ऐसे प्रभावों से बचने के प्रयास में सक्षम विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी।
--	--

अनुलग्नक - 3

आईपीपी की सामग्री

जहाँ परियोजना क्षेत्र में IP मौजूद हैं, और प्रतिकूल प्रभावों से बचा नहीं जा सकता, वहाँ IFC P7 (और साथ में दिए गए मार्गदर्शन नोट) और इस IPF में वर्णित आवश्यकताओं के अनुसार समयबद्ध स्वदेशी लोगों की योजना (IPP) स्थापित की जाएगी। IPP में प्रतिकूल प्रभावों को कम करने और प्रबंधित करने के लिए परियोजना द्वारा अपनाई जाने वाली परिभाषित कार्रवाइयाँ शामिल होंगी। प्रभावित IP की सूचित भागीदारी के साथ कार्रवाइयाँ विकसित की जाएँगी। IP को लाभ पहुँचाने के अवसरों को भी परियोजना के सामुदायिक विकास कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

विषय	विवरण
आधारभूत जानकारी	• प्रासंगिक आधारभूत सूचना का सारांश, जो स्वदेशी महिलाओं सहित आईपी का स्पष्ट विवरण, उनकी परिस्थितियों और आजीविका के साथ-साथ उन प्राकृतिक संसाधनों का विवरण और परिमाणीकरण करता है जिन पर स्वदेशी लोग निर्भर हैं। • कार्यप्रणाली और संदर्भों का विवरण जो यह बताता है कि आधारभूत जानकारी कैसे प्राप्त की गई (अर्थात ईएसआईए और संबंधित भागीदारी प्रक्रिया के माध्यम से)।
प्रमुख निष्कर्ष और प्रभावों, जोखिमों और अवसरों का विश्लेषण	• प्रमुख निष्कर्षों का सारांश, प्रभावों, जोखिमों और अवसरों का विश्लेषण • (i) प्रतिकूल प्रभावों को टालने या कम करने; (ii) सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाने, (iii) आईपी के प्राकृतिक संसाधन आधार को स्थायी आधार पर संरक्षित और प्रबंधित करने; और (iv) आईपी की अपनी योजनाओं के अनुरूप टिकाऊ सामुदायिक विकास को प्राप्त करने के लिए अनुशंसित संभावित उपायों का अवलोकन।
नकारात्मक प्रभावों से बचने, उन्हें न्यूनतम करने और उन्हें कम करने तथा सकारात्मक प्रभावों और अवसरों को बढ़ाने के उपाय	• स्वदेशी लोगों पर संभावित प्रतिकूल प्रभावों से बचने, उन्हें न्यूनतम करने और सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाने के लिए सूचना प्रकटीकरण, परामर्श और सूचित भागीदारी की प्रक्रिया में सहमत उपायों का विवरण। • स्वदेशी लोगों की योजना को शामिल करना जिसमें उठाए जाने वाले कदमों, जिम्मेदारियों और सहमत कार्यक्रमों का विवरण हो, जिसमें कार्यान्वयन (कौन, कैसे, कहाँ और कब) शामिल हो। बचाव या रोकथाम के उपायों को शमन या प्रतिपूरक उपायों पर प्राथमिकता दी जाएगी।
समुदाय-आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (जहां लागू हो)	• अपनाई जाने वाली व्यवस्थाओं का विवरण जो आजीविका गतिविधियों (जैसे चराई, शिकार, संग्रहण या शिल्पगत मछली पकड़ना) की निरंतरता सुनिश्चित करती हैं, जो प्रभावित आईपी समुदायों और उनकी पारंपरिक और सांस्कृतिक प्रथाओं के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। • प्राकृतिक संसाधनों, जिन पर आईपी निर्भर है, के संरक्षण, प्रबंधन और सतत उपयोग के लिए अपनाए जाने वाले उपायों का विवरण, तथा भौगोलिक दृष्टि

	से विशिष्ट क्षेत्रों और आवासों का विवरण, जिनमें वे स्थित हैं।
परामर्श के परिणाम, एफपीआईसी और भविष्य की सहभागिता योजनाएं	- सूचना प्रकटीकरण, परामर्श और सूचित भागीदारी की प्रक्रिया का विवरण और जहां प्रासंगिक हो, स्वदेशी लोगों के साथ सद्भावपूर्ण वार्ता और दस्तावेजी समझौते सहित एफपीआईसी प्रक्रिया, और उठाए गए मुद्दों को कैसे संबोधित किया गया है। - भावी सहभागिता के लिए परामर्श रूपरेखा में परियोजना के कार्यान्वयन और संचालन की प्रक्रिया में आईपी (महिलाओं और पुरुषों सहित) के साथ चल रहे परामर्श और उनकी भागीदारी की प्रक्रिया का स्पष्ट रूप से वर्णन किया जाएगा।
लाभ साझाकरण योजनाएँ	आईपी को परियोजना द्वारा लाए गए सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए उपायों का विवरण, तथा उन अद्वितीय प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को स्थायी आधार पर संरक्षित और प्रबंधित करने के लिए, जिन पर वे निर्भर हैं।
कार्यकाल व्यवस्था	राज्य के कानूनों और प्रथागत कानून के तहत लक्षित परियोजना भूमि पर किसके अधिकार हैं, इसका विवरण, तथा परियोजना के तहत भूमि की कानूनी स्थिति किस प्रकार बदलेगी और इसका अधिकार धारकों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।
शिकायत निवारण तंत्र	- परियोजना कार्यान्वयन और संचालन से उत्पन्न आईपी द्वारा शिकायतों के समाधान के लिए उपयुक्त प्रक्रियाओं का विवरण। - शिकायत निवारण तंत्र और प्रक्रियाओं को डिजाइन करते समय, स्वदेशी लोगों के बीच न्यायिक उपाय और प्रथागत विवाद निपटान तंत्र की उपलब्धता को ध्यान में रखा जाएगा। - स्वदेशी महिलाओं और पुरुषों को उनके अधिकारों और प्रशासनिक तथा कानूनी उपायों की संभावनाओं के बारे में सूचित किया जाना चाहिए, तथा परामर्श और सूचित भागीदारी की प्रक्रिया के भाग के रूप में उनकी सहायता के लिए उपलब्ध किसी भी कानूनी सहायता के बारे में भी उन्हें सूचित किया जाना चाहिए। - शिकायत तंत्र बीमाकृत व्यक्तियों के लिए आसानी से सुलभ होना चाहिए, जिसमें बीमाकृत व्यक्तियों के साथ उनकी सुविधानुसार भाषा और तरीके से बातचीत करना भी शामिल होगा। - शिकायत निवारण तंत्र को गुमनामी सुनिश्चित करनी चाहिए; शिकायत करने वालों के लिए बिना किसी खर्च के निष्पक्ष, पारदर्शी और समय पर शिकायतों का निवारण करना चाहिए; और यदि आवश्यक हो, तो महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों तथा समुदाय के अन्य कमजोर समूहों को अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

लागत, बजट, समय सारिणी, संगठनात्मक जिम्मेदारियां	कार्यान्वयन की लागत, बजट और वित्तपोषण के लिए जिम्मेदारी के सारांश को शामिल करना, साथ ही परियोजना निधि और व्यय के प्रबंधन और प्रशासन में व्यय का समय और संगठनात्मक जिम्मेदारियों को शामिल करना।
निगरानी, मूल्यांकन और रिपोर्टिंग।	- निगरानी, मूल्यांकन और रिपोर्टिंग तंत्र का विवरण, जिसमें जिम्मेदारियां, आवृत्तियां, फीडबैक और सुधारात्मक कार्रवाई प्रक्रियाएं शामिल हैं। - निगरानी और मूल्यांकन तंत्र में निरंतर सूचना प्रकटीकरण, परामर्श और आईपी (महिला और पुरुष दोनों) के साथ सूचित भागीदारी और मूल्यांकन प्रक्रिया में पहचाने गए किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई के कार्यान्वयन और वित्तपोषण की व्यवस्था शामिल होगी। - समुदाय-आधारित निगरानी और सूचना प्रणालियों जैसी सहभागी निगरानी पर विचार किया जाएगा और उसका समर्थन किया जाएगा।
पारदर्शिता और प्रकटीकरण	आईपी योजना का खुलासा, परामर्श प्रक्रिया के दस्तावेजीकरण और सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के परिणामों सहित, परियोजना मूल्यांकन से पहले, समयबद्ध तरीके से, एक सुलभ स्थान पर और प्रभावित आईपी समुदायों और अन्य हितधारकों के लिए समझने योग्य रूप और भाषा में किया जाएगा। अंतिम आईपीपी और इसके अपडेट भी प्रभावित आईपी समुदायों और अन्य हितधारकों के सामने प्रकट किए जाएंगे।